# लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्विद्यालय
## हिसार (हरियाणा)
## विस्तार शिक्षा निदेशालय
# मासिक पशुपालन निर्देशिका

जनवरी, 2023 क्रमांक 01

## प्रो०(डॉ) विनोद कुमार वर्मा
कुलपति, लुवास

हमारे देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन का महत्वपूर्ण योगदान है । पशुपालन क्षेत्र (डेयेरी/ पोल्ट्री/ बकरी/ सुकर पालन) को व्यवसाय का रूप देते हुए, ग्रामीण युवा उद्यमी बन रहें हैं| इस व्यवसाय में युवाओं की भूमिका अहम् हैं| युवाओं में सोशल मीडिया के उपयोग से भी हम सभी भलीभांति परिचित हैं | पशुपालन क्षेत्र में युवा उद्दमीयों तक प्रयाप्त वैज्ञानिक जानकारी पहुचाने हेतु सोशल मीडिया बहुत उपयोगी हैं | लुवास इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है और विस्तार शिक्षा निदेशालय के वैज्ञानिक पशु पालन से संबंधित नई जानकारियां एवं तकनीक पशुपालकों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यरत है| पशुपालन में युवा उद्दमीयों व सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव हेतु 'मासिक पशुपालन निर्देशिका' की शुरुआत की जा रही हैं| मैं इसके लिए विस्तार शिक्षा निदेशालय व सम्बंधित वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ |

(विनोद कुमार वर्मा)

## जनवरी मास के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- ठण्ड से बचाव हेतु सीधी ठंडी हवाएं न लगने दें |
- छोटे विशेषकर नर पशुओं में पेशाब रुकने की समस्या पर ध्यान दें |
- पेशाब रुकने की समस्या में जल्द से जल्द पशु चिकित्सक से संपर्क करें |ऐसे पशुओं में शराब, बियर आदि न दें |
- पीने का पानी सदैव ताज़ा, साफ़ व पीने योग्य रखें|
- पशु आहार में अधिक उर्जा व प्रोटीन (अनाज,खल) इत्यादि दें |

## बदलतें सर्द मौसम में पशुओं की देखभाल की टिप्स

- पशुओं को एकदम से सुबह ओस गिरा हरा चारा न दें, इससे पशुओं में आफरा आ सकता हैं|
- सुविधा अनुसार पहले दाना बाद में सुखा या हरा चारा दें सकतें हैं |
- छोटे बच्चो को बोरी, कम्बल आदि से ढकें, बिछावन को गोबर व पेशाब से गिला न रहने दें |
- सर्दियों में पशुओ को अधिक प्रोटीन वाली खल (मूंगफली खल, सरसो खल आदि) दें, उर्जा (400-500 ग्र० अतिरिक्त दाना मिश्रण) व खनिज मिश्रण भी जरुर दें|
- पशुओं की खोर में देसी नमक का टुकड़ा रखे व नमक की उपलब्ता सदैव रखें |
- ज्यादा ठण्ड के कारण, तनाव की वजह से दूध उत्पादन की कमी रोकने व सही पाचन प्रक्रिया के लिए गुनगुना / ताज़ा साफ़ पीने योग्य पानी, दिन में कम से कम 2-3 बार अवश्य दें|


संपादक : डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना, डॉ ज्योति शुन्ठवाल